रजिस्ट्रेषन संख्या :– R.N.I. 36355/79
डाक पंजीकरण संख्या :– के पी सिटी– 67/2021–23

अधिकार किसको जानने के लिए भारत सरकार की वेबसाइट www.dhr.gov.in लॉगिन कर क्लिक करें अल्टरनेटिव मेडिसिन तथा गज़ट पढ़ने हेतु log in करें www.behm.org.in

चिकित्सा–विज्ञान और प्रौद्योगिक जगत में सर्वाधिक प्रकाशित होने वाला निष्पक्ष समाचार पत्र

पाक्षिक

इलेक्ट्रो होम्यो मेडिकल गज़ट

पत्र व्यवहार हेतु पता :–
सम्पादक
इलेक्ट्रो होम्यो मेडिकल गज़ट
127/204 'एस' जूही, कानपुर–208014
सम्पर्क सूत्र :– 9450153215 , 9415074806 , 9415486103

वर्ष – 43 ● अंक – 24 ● कानपुर 16 से 31 दिसम्बर 2021 ● प्रधान सम्पादक – डा0 एम0 एच0 इदरीसी ● वार्षिक मूल्य ₹ 100

इलेक्ट्रो होम्योपैथिक शोधार्थी हो जायें तैयार

आपको अपना कौशल दिखाने का समय अब आ गया है

यह सर्व विदित है कि समय बड़ा बलवान होता है एवं समय किसी की प्रतीक्षा नहीं करता, जिसने समय के साथ पग से पग मिलाया वही इस संसार में सफल हुआ है, हमारे वे साथी जिन्होंने समय को समझा, जाना व परखा है वे आज भी सफ़लता की राह में अग्रसर हैं, इतिहास साक्षी है कि जिसने समय के साथ कदमताल नहीं किया तो समय ने बड़े–बड़े सूरमाओं के घमण्ड को तोड़ दिया है।

यह बात कटु सत्य है कि एक समय ऐसा भी था जब हमारे साथी अपने आपको इलेक्ट्रो होम्योपैथिक चिकित्सक कहने से गुरेज़ करते थे अर्थात वे अपने साइन बोर्ड पर **Dr.XYZ E Homoeopath** लिखा करते थे आज वही **Dr.XYZ Electro Homoeopathic Physician** लिखने में गर्व महसूस करते हैं, सब समय का खेला है, बात ज़्यादा पुरानी नहीं है ढाई दशक पूर्व जब हमारे साथी सरकारी दफ़्तरों में इलेक्ट्रो होम्योपैथी की बात करने जाते थे तो उनका मज़ाक तक उड़ाया जाता था समय ने करवट ली इलेक्ट्रो होम्योपैथी के भी अच्छे दिन दिखने लगे, लोगों ने नाना प्रकार के सपने देखना प्रारम्भ कर दिया, सपने देखना सबको अच्छा लगता है और यदि सपने रंगीन हों तो कहना ही क्या ! सपनों की दुनिया का रंग अलग ही होता है सपनों में होना, सपनों में रहना, सपनों का हसीन होना यह सपनों की विचित्र दुनिया है।

इलेक्ट्रो होम्योपैथी का सपनों से बहुत बड़ा सम्बन्ध है सपनों से इलेक्ट्रो होम्योपैथी शुरू होती है और जब तक इलेक्ट्रो होम्योपैथी में जुड़े रहते हैं तब तक स्वप्नलोक में विचरण करते रहते हैं।

हर व्यक्ति यह चाहता है कि उसकी संतान समाज में सम्मानजनक अपना स्थान बनाये समान्यतयः हर माता पिता का यह स्वप्न है कि उसका पाल्य डाक्टर या इंजीनियर बने इसके लिए वह प्रयास भी करता है, सफ़ल हो जाये तो अच्छी बात है, भारत वर्ष में यह आम बात है कि जो एलोपैथी का चिकित्सक बने वही डाक्टर है बाकी सब वैकल्पिक चिकित्सा पद्धति के चिकित्सक हैं अन्य देशों की बात अलग है जहाँ बालक या बालिका अपनी क्षमता व इच्छानुसार अपने जीवन यापन व व्यवसाय का चयन करता है और उसी में सफ़ल होकर श्रेष्ठता का प्रर्दशन करता है परन्तु भारतवर्ष में प्रायः अभी भी अभिभावक की मर्ज़ी से ही व्यवसाय का चयन होता है, बालक या बालिका में प्रतिस्पर्धा पार करने की क्षमता हो या न हो पर माता पिता यही चाहता है कि उसका पाल्य उसकी इच्छा का सम्मान करे और जो वह चाहता है उसी क्षेत्र में जाये, जब नीट की परीक्षा पास नहीं कर पाता तब माता पिता अपने सपनों को पूरा करने के लिए अपने पाल्य का प्रवेश **Para Medical** अथवा अन्य वैकल्पिक चिकित्सा पद्धति में करा देते हैं और यहीं से शुरू होती है सपनों की रंगीन दुनियाँ, माता पिता सपना देखते हैं कि उसका पाल्य चिकित्सक बन जायेगा और जो सपना उन्होने देखा है वह पूरा होने वाला है, बालक या बालिका भी अपने भविष्य के रंगीन सपने देखने लगता है कि चार, पाँच वर्ष के बाद वह डाक्टर बनकर निकलेगा, समाज में सम्मान अर्जित करेगा, प्रवेश लेते ही उसके सपनों में पंख लग जाते हैं वह स्वर्णिम भविष्य की अच्छी कल्पनाओं में खो जाता है, वह मन ही मन इतना प्रसन्न होता है कि अब वह अपनी सारी इच्छायें पूरी कर लेगा, आवश्यकताओं की वस्तुओं के साथ–साथ सुविधा भोगी वस्तुयें भी अपने लिए अर्जित कर लेगा, लेकिन धीरे–धीरे जैसे–जैसे समय बीतता है तब वह मान्यता के सपनों में खो जाता है, यह तो अच्छी बात है कि कुछ लोग यह स्पष्ट बता देते हैं कि अभी इस पद्धति को मान्यता नहीं मिली है, कुछ ऐसे भी होते हैं जो पता नहीं क्या–क्या कह देते हैं ! और इसी क्या–क्या की उधेड़बुन में नव प्रवेशी जो पुराना हो चुका होता है काफी कुछ सपने देख चुका होता है आन्दोलन की राह पर चलता है रोज़ नई कल्पनायें बनती बिगड़ती हैं और इसी कल्पना लोक में विचरण करते हुए वह अपना कोर्स तक पूरा कर लेता है, अब उसके सामने दायित्व होता है कि वह अपने भविष्य का निर्माण कैसे करे ! इसी भविष्य के निर्माण के लिए वह सबकुछ कर देता है जो उसे नहीं करना चाहिये चिकित्सकीय चकाचौंध में फंसकर बहुत कुछ जल्दी जल्दी पाने की लालसा में उसका रूझान एलोपैथी की तरफ़ हो जाता है, उसके इस रूझान से उसका तो भला हो जाता है परन्तु इलेक्ट्रो होम्योपैथी का भला नहीं हो पाता, इलेक्ट्रो होम्योपैथी के भले के लिए आवश्यकता है कि अधिक से अधिक संख्या में हमारे चिकित्सक अपनी ही विधा से चिकित्सा व्यवसाय करें और रोगियों को स्वस्थ्यता प्रदान करें इससे चिकित्सक को आत्म – संतुष्टि का अनुभव होता है और वह अपनी पूरी क्षमता से इलेक्ट्रो होम्योपैथी का समर्थक भी हो जाता है किसी एक चिकित्सक की प्रगति को देखकर उसके साथियों को भी यह प्रेरणा मिलती है कि वह भी इलेक्ट्रो होम्योपैथी के शुद्ध चिकित्सक बने।

ज्ञातव्य हो कि इलेक्ट्रो होम्योपैथी चिकित्सा पद्धति द्वारा चिकित्सा करने हेतु राज्य एवं केन्द्र सरकार द्वारा समुचित अधिकार दिये गये हैं, केन्द्र सरकार द्वारा देश के सभी राज्यों/केन्द्र शासित प्रदेशों को स्पष्ट निर्देश दिये गये हैं कि वे भारत सरकार स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्रालय के आदेश दिनांक 25 नवम्बर, 2003 व 05 मई, 2010 को केन्द्र सरकार का आदेश मानें, केन्द्र सरकार के आदेश दिनांक 21 जून, 2011 में यह भी स्पष्ट किया गया है कि यह आदेश इलेक्ट्रो होम्योपैथी की शिक्षा, चिकित्सा, अनुसंधान एवं विकास के लिये है, भारत सरकार, स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्रालय, स्वास्थ्य अनुसंधान विभाग द्वारा दिनांक 28 फरवरी, 2017 को एक आदेश जारी कर इलेक्ट्रो होम्योपैथिक चिकित्सा पद्धति को मान्यता प्रदान करने के लिये इलेक्ट्रो होम्योपैथी से जुड़े शोधार्थियों एवं वैज्ञानिकों को अपनी मेधा व कौशल प्रदर्शित करने का अवसर प्रदान किया है।

इलेक्ट्रो होम्योपैथी के समस्त सम्बद्ध चिकित्सकों के दोनों ही हाथों मे लड्डू हैं आज–कल नित्य नई–नई बीमारियों की चर्चा अनेक मेडिकल जर्नल में प्रकाशित हुआ करती हैं, पहले की तुलना में अब ज़्यादा सुविधायें उपलब्ध हैं, इण्टरनेट व सोशल मीडिया के सहयोग से आप देश ही नहीं अपितु विदेशों में कार्य कर रहे वैज्ञानिकों से भी सीधे जुड़ सकते हैं, बस आवश्यकता है आपके शोध के विषय एवं जिज्ञासा की,अनुसंधान का अवसर तो हमें सरकार द्वारा पहले ही प्रदान कर दिया गया है यदि हम गम्भीरता के साथ इस विषय पर चिन्तन करें तो हम पायेंगे कि एक न समाप्त होने वाला मार्ग हमारे सामने है हम जितना चाहें जितनी देर तक चाहें इस विषय पर अध्ययन कर मानवता की सेवा में अपने कौशल का लोहा मनवा सकते हैं।

इलेक्ट्रो होम्योपैथी में भी अनेकानेक ऐसे विषय हैं जिसपर कार्य करके इलेक्ट्रो होम्योपैथी को बहुत आगे तक ले जा सकते हैं। यह आवश्यक नही है कि हम अपने कार्य को पूरा करने के लिए दूसरों के कन्धों का सहारा लें क्योंकि इस सत्य को हमें कभी नहीं भूलना चाहिये कि दूसरे का कन्धा कितना भी मज़बूत क्यों न हो लेकिन वह जीवन भर का सहारा नहीं होता है, आज के परिदृश्य में जब इलेक्ट्रो होम्योपैथी चिकित्सा पद्धति बड़ी तेज़ी के साथ प्रगति के रास्ते पर चल रही है जिस शासकीय संरक्षण की हम वर्षों से बात कर रहे हैं वह धीरे–धीरे अब इंतज़ार करने की सीमा समाप्त होने जा रही है, केन्द्र सरकार व प्रदेश सरकार द्वारा जो सकारात्मक रूख इलेक्ट्रो होम्योपैथी के लिए दिखाया जा रहा है वह हमारी आशाओं को बल प्रदान करने वाला है।

यह निर्विवाद सत्य है कि आगे बढ़ने के लिए कुछ लक्ष्य निर्धारित किये जाते हैं और इसी लक्ष्य की प्राप्ति के लिए व्यक्ति निरन्तर प्रयास करता है कुछ भाग्यशाली व्यक्ति होते हैं जो प्रथम प्रयास में ही लक्ष्य भेद लेते हैं और कुछ ऐसे भी होते हैं जिन्हें लक्ष्य पाने के लिए बार–बार

शेष पेज 3 पर

कुछ तो बात है यूँ ही कोई खामोश नहीं रहता

भारत सरकार, स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्रालय के आवाहन पर इलेक्ट्रो होम्योपैथिक चिकित्सा पद्धति को मान्यता दिलाने के लिये दिसम्बर, 2017 तक लगभग एक सैकड़ा प्रस्ताव सरकार को प्रस्तुत किये गये जिनका प्रारम्भिक परीक्षण के बाद 22 प्रस्तावों को सरकार ने देखने योग्य समझा, कुछ समय बीतने के बाद मात्र 6 प्रस्ताव और प्रेषित किये गये, इसके अतिरिक्त 1 प्रस्ताव एक ही व्यक्ति ने 2 नामों से प्रेषित किया, इस प्रकार कुल 29 प्रस्ताव सरकार के समक्ष विचारार्थ उपस्थित हुये, प्राप्त प्रस्तावों पर विचार करने के लिये भारत सरकार, स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्रालय, स्वास्थ्य अनुसंधान विभाग ने एक अन्तर विभागीय समिति **(I.D.C.)** का गठन किया, अन्तर विभागीय समिति ने इन प्रस्तावों को अन्तिम रुप देने के लिये पाँच बैठकों का आयोजन किया और अपनी इन सभी बैठकों में इलेक्ट्रो होम्योपैथी के लिये अनेक सकारात्मक विचार व्यक्त किये तथा टिप्पणियां भी कीं।

अन्तर विभागीय समिति की इन बैठकों में अनेक इलेक्ट्रो होम्योपैथिक संस्थाओं एवं उनके द्वारा संचालित पाठ्यक्रमों तथा उनकी कार्य शैली की कटु आलोचना भी की, समिति ने यह भी कहा कि भारत सरकार के आदेश के अनुरुप सूचनायें एवं साक्ष्य उपलब्ध नहीं कराये जा रहे हैं बल्कि अनेक प्रस्ताव एक दूसरे की **Copy-Cut-Paste** हैं इनमें कुछ भी विचार करने योग्य नहीं है, अन्तर विभागीय समिति द्वारा अभी कुछ सकारात्मक होता, प्रस्ताव की समय सीमा समाप्त होने के पश्चात भी कुछ अन्य प्रस्तावकों के नाम सम्मिलित किये गये, कुछ अन्य लोगों ने तो न्यायालय के माध्यम से प्रस्तावकों में अपने नाम सम्मिलित कराये और तो और कुछ संस्थाओं द्वारा राजनैतिक प्रभाव के द्वारा दबाव बनाकर अपने प्रस्ताव को विचारार्थ प्रषित किया।

कुछ जागरुक एवं महत्वकांक्षी चिकित्सकों ने भी तमाम समय सीमा समाप्त होने तथा अन्तर विभागीय समिति द्वारा बैठकों की कार्यवाही जारी करने के पश्चात ऐसा आभास किया कि वह इस कार्यवाही से अलग हुये जा रहे हैं, उन्होंने भी समय के अनुकूल अपने विवेकानुसार प्रस्तावों को तैयार कर प्रेषित किये, प्रसतावों को निरन्तर भेजने का क्रम इस तरह जारी रखा कि कि वास्तविक प्रस्तावों को निर्णय लेने में अन्तर विभागीय समिति असहज महसूस कर रही है।

लिखा पढ़ी का क्रम यहीं पर समाप्त हो जाता तो भी अच्छा था परन्तु यहां भी लोग एक दूसरे से प्रतिस्पर्धा में लीन हो गये और प्रस्ताव भेजने का यह क्रम जारी है, एक प्रस्तावक ने तो अन्तर विभागीय समिति को **Legal Notice** ही दे डाली, उन्होंने कानून का सहारा लेकर स्पष्टीकरण तक मांग लिया, ऐसी स्थिति में अन्तरविभागीय समिति द्वारा इलेक्ट्रो होम्योपैथी को मान्यता देने के विषय पर किस प्रकार विचार किया जा सकता है, प्रस्तावक स्वंय विचार करें।

प्रस्तावों की संख्या अधिक होने, उनमें विचारार्थ अत्यधिक सामग्री प्रस्तुत करने (निर्धारित बिन्दुओं के अतिरिक्त) मात्र से मान्यता प्राप्त करने का मामला हल नहीं हो सकता है, अपितु अन्तर विभागीय समिति द्वारा वांछित अनिवार्य एवं ऐच्छिक मापदण्डों की पूर्ति के पश्चात ही इलेक्ट्रो होम्योपैथी की मान्यता का मार्ग प्रश्स्त हो सकता है, अन्तर विभागीय समिति के पास आये हुये ढेरों प्रस्स्तावों की स्क्रीनिंग एवं मॉनीटरिंग के पश्चात अन्ततः अन्तर विभागीय समिति ने एक निश्चयानुसार प्रस्तावकों से कुछ बिन्दुओं पर ही सूचना एवं साक्ष्य उपलब्ध कराने की अपेक्षा की है।

देश के लगभग दो तिहाई राज्यों में इलेक्ट्रो होम्योपैथी संचालित हो रही है जिसमें सैकड़ों शिक्षण संस्थान तथा हज़ारों चिकित्सक अपनी सेवायें प्रदान कर रहे हैं जबकि प्रेषित प्रस्ताव कुछ सीमित क्षेत्रों से ही हैं, अचरज की बात यह है कि जिन संस्थाओं को सरकार द्वारा आदेश प्रदान किये गये हैं वे इसमें सम्मिलित ही नहीं हैं, यह एक विचारणीय विषय है कि कुछ तो बात ज़रुर है यूँ ही कोई खामोश नहीं रहता, पूर्व में आदेश प्राप्त संस्थाओं एवं संगठनों को इलेक्ट्रो होम्योपैथिक चिकित्सा पद्धति की शिक्षा, चिकित्सा, रजिस्ट्रेशन, अनुसंधान एवं विकास हेतु ही अनवरत कार्य करना है, अनेक प्रस्तावकों का मानना है कि जब केन्द्र एवं राज्य सरकारों ने इलेक्ट्रो होम्योपैथी के लिये शिक्षा, चिकित्सा, रजिस्ट्रेशन, अनुसंधान एवं विकास जैसे महत्वपूर्ण विषयों पर अपनी सहमति व्यक्त कर दी है, विदित हो कि 21 जून, 2011 को भारत सरकार एवं उत्तर प्रदेश सरकार 04 जनवरी, 2012 को बकायदा इलेक्ट्रो होम्योपैथी के लिये शासनादेश जारी कर चुकी है।

आशा है कि नव वर्ष 2022 हम सभी के लिये मंगलमय हो

बोर्ड ऑफ़ इलेक्ट्रो होम्योपैथिक मेडिसिन, उ0प्र0

(स्वास्थ्य एवे परिवार कल्याण मंत्रालय भारत सरकार द्वारा आदेश प्राप्त, इहमाई द्वारा अनुमोदित)

8— लालबाग, कमला शर्मा मार्ग, लखनऊ—226001

प्रशा0 कार्यालय : 127/204 "एस" जूही, कानपुर—208014

website- www.behm.org.in Email: registrarbehmup@gmail.com

F.M.E.H. & A.C.E.H

पाठयक्रमों के संचालन हेतु स्टडी सेन्टर्स के स्थापनार्थ इच्छुक व्यक्तियों/संस्थाओं से आवेदन आमंत्रित हैं

आवेदन पत्र एवं निर्देश बोर्ड की वेबसाइट www.behm.org.in(link Affiliation) से डाउनलोड कर सकते हैं।

Registrar

परीक्षा सूचना

बोर्ड ऑफ़ इलेक्ट्रो होम्योपैथिक मेडिसिन, उ0प्र0 की दिसम्बर 2021 की सेमेस्टर परीक्षायें 28 दिसम्बर, 2021 से प्रारम्भ होंगी, कार्यक्रम निम्न प्रकार है

BOARD OF ELECTRO HOMOEOPATHIC MEDICINE,U.P.

8-Lal Bagh, Kamla Sharma Marg, Lucknow-226001 E-mail registrarbehmup@gmail.com

PROGRAMME FOR EXAMINATION DECEMBER 2021

Name of the course	28th December, 2021 Tuesday	29th December, 2021 Wedmesday	30th December, 2021 Thursday
F.M.E.H. 1st. Semester	Anatomy & Physiology	Pharmacy &Philosophy	XX
F.M.E.H. 2nd. Semester	Pathology	Hygiene & Health	Environmental Science
F.M.E.H. 3rd. Semester	Opthalmology including E.N.T.	M.Jurisprudence & Toxicology	Dietetics
F.M.E.H. Final Semester	Obstetrics & Gynaecology	Materia Medica	Practice of Medicine

Timing → 9:00 A.M. to 12:00 A.M.

Ateeq Ahmad
Examination Incharge

संयुक्त प्रान्त इलेक्ट्रो होम्योपैथिक चिकित्सा पद्धति विकास संगठन

127/एस/204 डी0, जूही, विनोबा नगर, कानपुर—208014

उद्देश्य

भारत सरकार, स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्रालय के आदेश संख्या— **C.30011/22/2010 HR** दिनांक 21 जून, 2011 के अनुसार इलेक्ट्रो होम्योपैथी पद्धति की शिक्षा, चिकित्सा, रजिस्ट्रेशन, अनुसंधान एवं विकास हेतु कार्य करना

लक्ष्य

वर्ष 2025 तक इलेक्ट्रो होम्योपैथिक चिकित्सा पद्धति को सामुदायिक स्तर पर स्थापित करना

प्रदेश में Clinical Establishment Act प्रभावी

राज्य स्तर पर स्वास्थ्य सचिव की अध्यक्षता में राज्य प्राधिकरण तथा जिला स्तर पर ज़िला मजिस्ट्रेट की अध्यक्षता में प्राधिकरण गठित होंगे

बोर्ड ऑफ़ इलेक्ट्रो होम्योपैथिक मेडिसिन, उ0प्र0 द्वारा जारी जनपदीय पंजीयन की उपयोगिता बढ़ेगी

इलेक्ट्रो होम्योपैथिक चिकित्सकों का विचलन समाप्त होना चाहिये

इलेक्ट्रो होम्योपैथी से जुड़े लोगों को हर, साल दो साल में विचलित होने का अवसर प्राप्त होता रहता है।

कोई न कोई ऐसा कारण बन ही जाता है जब इससे जुड़े व्यक्ति विचलित होते रहते हैं विचलित होने का अपना एक इतिहास है कुछ आंकड़े आपके सामने प्रस्तुत हैं 1998 में जब दिल्ली हाईकोर्ट का आदेश आया और इस आदेश में इलेक्ट्रो होम्योपैथी के लिए कुछ निर्देश जारी किये गये, उनमें से कुछ निर्देश यह हैं जैसे डिग्री, में प्रतिबन्ध ! लोग इससे विचलित हो गये !! डाक्टर शब्द लिखने पर विचार, लोग इस पर विचलित हो गये !!! 25 नवम्बर, 2003 को भारत सरकार का आदेश आया लोग विचलित के साथ– साथ भयभीत भी हो गये, 5–5–2010 को स्पष्टीकरण आया लोग विचलित हो गये ! 21 जून, 2011 का आदेश आया लोग विचलित हो गये कि यह तो आदेश इहमाई के लिए है हमारा क्या होगा ? इसलिए ज़्यादा विचलित हो गये। 4 जनवरी, 2012 को उत्तर प्रदेश सरकार ने बोर्ड ऑफ़ इलेक्ट्रो होम्योपैथिक मेडिसिन, उ0प्र0 के लिए शासनादेश जारी कर दिया आदेश उत्तर प्रदेश के लिए था विचलित पूरा देश हो गया कि अब यह तो उत्तर प्रदेश में एकाधिकार जमायेंगे, 02 सितम्बर, 2013 को महानिदेशक चिकित्सा एवं स्वास्थ्य सेवायें उ0प्र0 ने समस्त अपर निदेशक स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण तथा समस्त मुख्य चिकित्सा अधिकारियों को पत्र लिखकर 04 जनवरी, 2012 को जारी शासनादेश के परिचालन का पत्र लिखा, लोग विचलित हो गये 14 मार्च, 2016 को निदेशालय ने पत्र जारी किया लोग विचलित हो गये 03 अगस्त, 2016 को आयुष ने पंजीयन से सम्बन्धित पत्र जारी किया, लोग विचलित हो गये, बोर्ड ऑफ़ इलेक्ट्रो होम्योपैथिक मेडिसिन, उ0प्र0 ने इस आदेश के आलोक में समस्त अधिकृत चिकित्सकों एवं प्रतिष्ठानों हेतु जनपद स्तरीय पंजीयन प्रारम्भ किया लोग पुनः विचलित हो गये 28 फरवरी, 2017 को भारत सरकार के स्वास्थ्य विभाग ने इलेक्ट्रो होम्योपैथी की मान्यता के सम्बन्ध में नोटिस क्या जारी किया पूरा देश विचलित हो गया, तरह–तरह की कार्यवाहियां होना प्रारम्भ हो गयीं, रोज़ बैठकों का दौर चलने लगा, **Give and Take** का सिलसिला जारी है, इसकी आड़ में कहीं– कहीं तो उगाही भी हो रही है, पूरे देश में ऐसी उहापोह मची है, जैसे कि कुछ अनिष्ट की आंशका है, सच बात तो यह है कि

जब तक जीवन है,
तब तक स्पंदन है
तभी तक विचलन।

पूर्वजों ने भी कहा है कि ज़्यादा विचलन ठीक नहीं होता है क्योंकि जब मन विचलित होता है तो इसका सीधा प्रभाव मस्तिष्क पर पड़ता है जिससे कि कार्य प्रभावित होता है, सरकार द्वारा हमें जो कुछ भी मिलता है उसके पीछे कहीं न कहीं हम सब होते हैं, पूरे देश में इलेक्ट्रो होम्योपैथी से कार्य करने का पूरा अवसर है परन्तु हमें जो मिलता है हम उससे ज़्यादा पाना चाहते हैं इसलिए सरकार से इतना पत्र व्यवहार कर दिया कि सरकार को हिलना ही पड़ा, हमारी मांग लगातार यही रहती है कि सरकार इलेक्ट्रो होम्योपैथी को मान्यता प्रदान करे और इस मांग में हम यह भूल जाते हैं कि सरकार को मान्यता देने में अपने कुछ मापदण्ड होते हैं इन मापदण्डों को पूरा करने के बाद ही हम मान्यता का स्वाद चख सकते हैं, सरकार ने यह तो वादा नहीं किया कि मान्यता देंगे यह अवश्य कह दिया कि सरकार एक अधिशासी आदेश पारित करेगी और इस आदेश को पाने के लिए सरकार ने यह नोटिस जारी किया इस नोटिस के माध्यम से सरकार ने पूरे देश की इलेक्ट्रो होम्योपैथी की स्थिति जाननी चाही है सरकार को यह पता है कि इलेक्ट्रो होम्योपैथी के क्षेत्र में बहुत बड़ी संख्या में लोग कार्य कर रहे हैं इसलिए सरकार ने अपेक्षा की थी कि अच्छा हो यदि अलग–अलग प्रतिवेदनों के स्थान पर एक प्रतिवेदन प्रस्तुत किया जाये और सरकार उस प्राप्त प्रतिवेदन पर विभिन्न कोणों से विचार करके इलेक्ट्रो होम्योपैथी की कोई दिशा तय कर सके।

इसलिए अब वह समय आ गया है कि जब हम अपने विवेक का प्रयोग करते हुए सरकार को समुचित वांछित जानकारी दें जिससे कि कार्य पूर्ण हो सके।

इलेक्ट्रो होम्योपैथिक शोधार्थी हो जायें तैयार

(प्रथम पेज से आगे)

प्रयास करने पड़ते हैं और यदि आदमी प्रयास करे तो सफ़लता प्राप्त होती ही है जब सफ़लता नहीं मिलती है तो हमें अवसर भी मिलता है कि हम अपनी विफ़लता का विश्लेषण करें और जो कमियां प्राप्त हों उन्हें दूर करने का प्रयास करें।

बहुत सम्भव है कि इस मार्ग में चलते हुए हमें कुछ देर के लिए ठहरना भी पड़े लेकिन यह ठहराव ज़्यादा लम्बा नहीं होता है यदि हमें अपने लक्ष्य को पूरा करना है तो निश्चित रूप से हमें भी भावनात्मक रूप से, मानसिक रूप से मज़बूत व परिपक्व भी होना पड़ेगा।

समय की गति निरन्तर आगे बढ़ रही है, समय जितना व्यतीत होता जायेगा परिस्पर्धा उतनी ही कठिन होती जायेगी क्योंकि जो प्रचलित चिकित्सा पद्धतियां हैं वहां काम भी हो रहा है, शोध भी हो रहे हैं, सरकारी सहयोग व समर्थन भी मिल रहा है, उनके कार्यों का मूल्यांकन भी हो रहा है परन्तु हम इलेक्ट्रो होम्योपैथों को इन सारी व्यवस्थाओं को पार करना है काम भी बहुत करना है शोध के रास्ते ढूंढ़ने हैं, सरकारी नैतिक सहयोग व समर्थन तो मिल रहा है लेकिन हम उसका उपयोग भी नहीं कर पा रहे हैं और जो कार्य हो रहा है उसका वास्तविक मूल्यांकन नहीं हो रहा है, परिणामतः हमारे कार्यों में सुधार नहीं हो पा रहा है, एक ही ढर्रे पर चलते रहने का समय कब का समाप्त चुका है नित्य नये हो रहे प्रयोगों के मध्य यदि हमें अपनी उपस्थिति रखनी है तो समान्तर तो नहीं परन्तु लगभग कार्य तो करने ही होंगे, साधनों का अभाव नहीं है, इलेक्ट्रो होम्योपैथी में प्रतिभाओं की भी कमी नहीं है, बस आवश्यकता है मनोबल को बढ़ाने की, मात्र देखने से काम नहीं चलता, कार्य को पूर्ण रुप देने के लिये अवसर भी हमें ही तलाशने होंगे और इन अवसरों को सही उपयोग करते हुए इलेक्ट्रो होम्योपैथी की स्थिति को मज़बूत करना होगा।

जब इलेक्ट्रो होम्योपैथी के मज़बूत होने की बात होती है तो हमारे साथी ही कहने लगते हैं कि क्यों सपने दिखा रहे हो जबकि तथ्य यह है कि जो कार्य करता है वही आगे बढ़ता है, अपने आस पास मात्र जाल बिछाने से काम नहीं चलता काम चलाने के लिए काम करना पड़ता है, इलेक्ट्रो होम्योपैथी की मान्यता या नियमितीकरण दोनों ही स्थिति में सरकार आपके कार्यों को देख रही है, कार्य भी ऐसे होने चाहिये जिनका कोई प्रतिकूल प्रभाव न हो, दवाओं की गुणवत्ता **Safety and Quality** पर निर्भर है और यही गुणवत्ता हमारी प्रमाणिकता है, जब रोगी हमारी दवाओं से ठीक होंगे और रोग मुक्त होंगे तो रोगी स्वयं मुक्तकंठ से पद्धति की प्रशंसा करेंगे प्रशंसा के लिए हर वह उपाय हमें करने हैं जो हमारे बस में हों, सरकार की नीतियों में बदलाव तो सरकार लाती है परन्तु हमारे बस में इतना है कि हम अपने कार्य से सरकार को इतना प्रभावित कर दें कि सरकार हमारी योग्यता और प्रतिभा को देखकर इलेक्ट्रो होम्योपैथी को अपनी स्वास्थ नीति में समाहित करने के लिए विवश हो जाये।

हमारे शोधार्थियों एवं वैज्ञानिकों (चिकित्सकों) तथा दावेदारों का यह दायित्व है कि वे सरकार द्वारा वांछित की पूर्ति उसी रुप में करें जिस प्रकार सरकार चाहती है, इसमें किसी भी प्रकार का राजनैतिक दबाव का कोई स्थान नहीं है।

आने वाला वर्ष आपके लिये मंगलमय हो।

बोर्ड ऑफ़ इलेक्ट्रो होम्योपैथिक मेडिसिन, उ0प्र0

(स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्रालय भारत सरकार द्वारा आदेश प्राप्त, इहमाई द्वारा अनुमोदित)

8— लालबाग, कमला शर्मा मार्ग, लखनऊ—226001
प्रशा0 कार्यालय : 127/204 ''एस'' जूही, कानपुर—208014
website- www.behm.org.in Email: registrarbehmup@gmail.com

प्रवेश सूचना

F.M.E.H. दो वर्ष (चार सेमेस्टर) – इण्टरमीडियेट अथवा समकक्ष

G.E.H.S. चार वर्ष+(1 वर्ष इन्टर्नशिप) – 10+2 जीव विज्ञान अथवा समकक्ष

P.G.E.H. दो वर्ष – G.E.H.S अथवा चिकित्सा स्नातक

C.E.H. एक वर्ष – हाई स्कूल अथवा समकक्ष

A.C.E.H. एक सेमेस्टर – किसी भी चिकित्सा पद्धति में न्यूनतम दो वर्ष का पाठ्क्रम उत्तीर्ण (इलेक्ट्रो होम्योपैथी 30 अप्रैल, 2004 से पूर्व/पैरा मेडिकल /किसी राजकीय चिकित्सा परिषद द्वारा पंजीकृत/ सूचीकृत चिकित्सक)

विस्तृत जानकारी हेतु बोर्ड की अधिकृत संस्थाओं से सम्पर्क करें अथवा **www.behm.org.in पर log in** करें।

LIST OF AUTHORISED INSTITUTIONS

Code	Name of InstituteAddress & District	Name of Principal	Name of Manager & Mobile No.
1	Ashish Electro Homoeopathic Medical Insitute, Chajlapur, Po: I.T.I.,Door Bhash Nagar, Raibareli	Dr. P. N. Kushwah	Dr. P.N. Kushwaha , 9415177119
3	Awadh Electro Homoeopathic Medical Insitute, Shri Om Sai Dham,Indrpuri Colony,Sitapur Road, Lucknow	Dr. R. K. Kapoor	Smt. Sunita Kapoor , 9335916076
4	Indira Gandhi Electro Homoeopathic Medical Insitute, Near Bhagva Chungi, Naya Mal Godam Road, Pratapgarh	VACANT	VACANT
5	Bhagwan MahaveerElectro Homoeopathic Insitute, Pan Dareeba, Jaunpur	Dr. Pramod Kumar Maurya	Smt. Sushila Maurya , 9451162709
6	Maa sarju Devi Electro Homoeopathic Medical Insitute, 2537 - Mishrana, Lakhimpur	Dr. R. K. Sharma	R.K. Sharma , 8115545675
7	Mahoba Electro Homoeopathic Institute, Behind Block Office Subhash Nagar, MAHOBA-210427	Dr. Ajai Barsaiya	Smt. Rajni Awasthi , 8423596191
11	Chandpar Electro Homoeopathic Medical Insitute, Anjan Shaheed, Azamgarh	Dr. Mushtaq Ahmad	Dr. Iftekhar Ahmad,9415358163
13	Azad Electro Homoeopathic Medical Insitute, Kintoor, Barabanki	Dr. Habib-ur- Rahman	Dr. Habib-ur-Rehman, 8052791197
14	Fatehpur Electro Homoeopathic Medical Insitute, Deviganj, Fatehpur	VACANT	Dr. Afzal Ahmad Kazmi, 9450332981
15	Electro Homoeopathic Medical Insitute , Mahmanshah, Near Charkhamba,Shahjahan pur	Dr. Ammar-Bin-Sabir	Dr.S.A. Siddique, 9336034277
16	Shahganj Electro Homoeopathic Medical Insitute , Behind Mahila Hospiital, Dihawa Bhadi,Shahganj, Jaunpur	Dr. S. N. Rai	Dr. Rajendra Prasad, 9450088327
17	Prema Devi Electro Homoeopathic Medical Institute, Siddhatth Children Campus, Arya Nagar, Siddharth Nagar	Dr. Ved Prakash Srivastav	Dr. V.P. Srivastav 9415669294

LIST OF AUTHORISED STUDY CENTRES

Code	Head of Centre	Address	District	Mobile No	E-mail
51	Dr. Adil M. Khan	Parsauni Kala,Padrauna	KUSHI NAGAR	9836131988	WhatsApp No: 7985063850
52	Dr. Pradeep Kumar Srivastava	8/366 Tube Well Colony	DEORIA	9415826491	
53	Dr. Bhoop Raj Shrivastava	120-Basheerganj	BAHRAICH	9451786214	
55	Dr. Ayaz Ahmad	Beneath K.G.S. Gramir Bank, Walidpur	MAU	9305963908	
56	Dr. Gaya Prasad	Aarti Electro Homoeopathic Study Centre, Barkhera, Kalpi	JALAUN	8874429538	
57	Dr. N. Bhushan Nigam	B.K.E.H. Study Centre, Patkana	HAMIRPUR	9889426312	
59	Dr. Mohammad Israr Khan	Araw Road, Sirsaganj	FIROZABAD	9634503421	
60	Dr. Mohd. Akhlak Khan	128- Katra Purdal Khan	ETAWAH	6395361883	
61	Dr. Shiv Kumar Pal	Prem Nagar, Dak Banglow Bye Pass Road	FIROZABAD	9027342885	
62	Dr. Pundreek Tripathi	Hameed Nagar Ward No-3, Nautanwa	MAHARAJGANJ	7398941680	mpsr31@gmail.com
63	Dr. Ram Autar Kushwaha	Kushwaha Electro Homoeopathic Clinic & Study centre	KANPUR	9793261649	

LIST OF AUTHORISED STUDY/GUIDENCE CENTRES OTHER STATE

Code	Head of Centre	Address	District	Mobile No	E-mail
81	Dr. Devendra Singh	374/4 Shahid Bhagat Singh Colony, Karawal Nagar	DELHI-110090	9873609565	
82	Dr. Pankaj Kumar	Kaithi P.S. Chautham	KHAGARIA-851201	7549417934	

LIST OF AUTHORISED EXAMINATION CENTRES

Code	Head of Centre	Address	District	Mobile No	E-mail
91	Dr. P. K. Ragahav	Khurja	BULAND SHAHAR	9837897021	
92	Dr. S.K. Saxena	Parker College Road	MORADABAD	8171869605	
93	Electro Homoeopathic Exam	Registrar B.E.H.M. U.P. Kanpur Campus	KANPUR	0512-2970704	
95	Dr. Vikas	303/6 Gyan Nagar, Purkhas Road	SONIPAT-131001	9639300426	7302653934

Registrar

बी0ई0एच0एम0 के लिए डा0 अतीक अहमद द्वारा गजट प्रेस 126 टी/22 'ए' रामलाल का तालाब, जूही, कानपुर—208014 से मुद्रित एवं मिथलेश कुमार मिश्रा द्वारा कम्प्यूटराइज्ड करा कर 9/1 पीली कालोनी, जूही, कानपुर—208014 से प्रकाशित किया।